OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

MA HINDI Syllabus 2020-21

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

एम.ए. हिन्दी समसत्र (Semester) पद्धति

(C.B.C.S.)

हिन्दी (Hindi)

2020-2021

प्रकाशक

कुलसचिव

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी

निर्धारित पाठ्यक्रम

समसत्र (प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ)

(C.B.C.S.)

प्रथम सेमेस्टर :-

प्रश्न–पत्र 01 :–	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास	(101) - CC
प्रश्न–पत्र 02 :–	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	(102) - CC
प्रश्न–पत्र 03 :–	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	(103) - CC
प्रश्न–पत्र 04 :–	प्रयोजन मूलक हिन्दी	(104) - GE
प्रश्न–पत्र 05 :–	समग्र मौखिकी	(105) - CC

द्वितीय सेमेस्टर :-

प्रश्न–पत्र 01 :–	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास	(201) - CC
प्रश्न–पत्र 02 :–	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	(202) - CC
प्रश्न–पत्र 03 :–	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	(203) - CC
प्रश्न–पत्र 04 :–	प्रयोजन मूलक हिन्दी	(204) - GE
प्रश्न–पत्र 05 :–	समग्र मौखिकी	(205) - CC

तृतीय सेमेस्टर :-

प्रश्न–पत्र 01 :–	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	(301) - CC
प्रश्न–पत्र 02 :–	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	(302) - CC
प्रश्न–पत्र 03 :–	हिन्दी साहित्य का इतिहास	(303) - CC
प्रश्न–पत्र 04 :–	वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (सूरदास, तुलसीदास, बघेली भाषा और उसका साहित्य)	(304) - GE
प्रश्न–पत्र 05 :–	समग्र मौखिकी	(305) - CC

चतुर्थ सेमेस्टर :-

प्रश्न–पत्र 01 :–	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	(401) - CC
प्रश्न–पत्र 02 :–	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	(402) - CC
प्रश्न–पत्र 03 :–	हिन्दी साहित्य का इतिहास	(403) - CC
प्रश्न–पत्र 04 :–	वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (सूरदास, तुलसीदास, बघेली भाषा और उसका साहित्य)	(404) - GE
प्रश्न–पत्र 05 :–	समग्र मौखिकी	(405) - CC

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, प्रथम समसत्र
प्रश्न-पत्र (प्रथम)
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास
(CC-101)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– यह प्रश्न–पत्र पढ़ाने का उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी हिन्दी के प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों एवं काव्य से परिचित हो सकें। आदिकालीन काव्य अपभ्रंश के अवदान को समेटे है। मध्यकालीन काव्य लोकमंगल के स्वर साधता है। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 : **2x10=20**

1. विद्यापति – 20 पद (विद्यापति पदावली संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज) पद क्रमांक– 1, 4, 5, 7, 8, 11, 12, 14, 15, 16, 20, 22, 23, 26, 27, 28, 29, 31, 33, 43
2. कबीर – कबीर ग्रंथावली, डॉ. श्यामसुन्दर दास
   गुरुदेव को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), सुमिरण को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), विरह को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), 'कबीर' हजारी प्रसाद द्विवेदी से 160वें पद से 175वें पद तक।
3. जायसी – पद्मावत, संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
   (मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)

ईकाई–02 : **2x5=10**

विद्यापति, कबीर और जायसी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–03 : **2x5=10**

प्राचीनकाल एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुण धारा) का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई–04 : **2x5=10**

द्रुतपाठ के कवि–चंदबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास, मीराबाई, रहीम से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न।

इकाई–05 : वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) **10x1=10**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. कबीर ग्रंथावली सटीक, प्रो. पुष्पपाल सिंह, अशोक प्रकाशन दिल्ली।
2. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, लेखक द्वारका प्रसाद सक्सेना, प्रकाशन श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा–2।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशक राजकमल प्रकाशन।
4. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य, लेखक प्रो. पूरनचंद टण्डन, प्रकाशक राजपाल एण्ड संस।
5. प्राचीन कवि, लेखक विश्वरम्भर 'मानव', प्रकाशक लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Anuppur (M.P.)

एम.ए. हिन्दी, प्रथम समसत्र

प्रश्नपत्र-द्वितीय

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

(CC-102)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– विद्यार्थियों को इस बात से परिचित कराना कि मनुष्य के राग–विराग, तर्क–वितर्क, चिन्तन–मनन जिस रागात्मकता तथा कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होते हैं अन्यत्र नहीं।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 : **2x10=20**

1. चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद
2. आधे–अधूरे : मोहन राकेश
3. गोदान : प्रेमचंद

इकाई–02 : **2x5=10**

चंद्रगुप्त, आधे–अधूरे एवं गोदान से समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–03 : **2x5=10**

हिन्दी नाटक, रंगमंच एवं उपन्यास के इतिहास की विविध प्रवृत्तियाँ और रचनाकारों पर निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–04 : **2x5=10**

लघुत्तरीय प्रश्न–द्रुतपाठ में निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध दो लघुत्तरीय प्रश्न होंगे।

1. नाटककार : भारतेन्दु हरीशचन्द्र, डॉ. रामकुमार वर्मा, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल।
2. उपन्यासकार : जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, भीष्म साहनी, मन्नू भण्डारी।

इकाई–05 : **10x1=10**

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

संदर्भ ग्रंथ :–

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक बच्चन सिंह, प्रकाशक लोकभारती प्रकाशन।
2. चन्द्रगुप्त, लेखक जयशंकर प्रसाद, प्रकाशक भारती भण्डार, लीडर प्रेस, प्रयागराज।
3. आधुनिक हिन्दी नाटक, डॉ. नगेन्द्र, साहित्य प्रेस आगरा।
4. मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन प्रयागराज।
5. प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, प्रकाशक मेहरचन्द्र मुंशीराम फैजबाजार, दिल्ली।
6. जयशंकर प्रसाद, नंददुलारे वाजपेयी, प्रकाशक भारती भण्डार, प्रयागराज।

PRINCIPAL Govt. Tulsi College Anuppur Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, प्रथम समसत्र
प्रश्न-पत्र-तृतीय
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
(CC-103)

पूर्णांक : 60
आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यलोचन का ज्ञान अपरिहार्य है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 :

संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई–02 :

रीति–सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई–03 :

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।

औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

इकाई–04 :

हिन्दी 'कवि आचार्यों' का काव्य शास्त्रीय चिंतन। लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि–शिक्षा।

इकाई–05 :

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय, व्यक्तिवाद, मार्क्सवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

(जारी......)

PRINCIPAL ... ANUPPUR

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

आलोचनात्मक प्रश्न – **2x10=20** लघु उत्तरी प्रश्न – **5x6=30** वस्तुनिष्ठ प्रश्न – **10x1=10**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, लेखक डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, प्रकाशक लोकभारती प्रकाशन।
2. काव्यशास्त्र, लेखक डॉ. भगीरथ मिश्र, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, लेखक डॉ. विवेक शंकर, प्रकाशक राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, रामचन्द्र तिवारी।
5. साहित्य शास्त्र, लेखक आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक नंदकिशोर एण्ड सन्स, वाराणसी।
6. भारतीय काव्यशास्त्र, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा।
7. हिन्दी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा आलोचना, प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, श्यामा प्रकाशन संस्थान प्रयागराज।
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ, डॉ. सत्यदेव मिश्रा।
10. वाद–विवाद संवाद नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
11. सौन्दर्य शास्त्र के तत्व, कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in ☎ 9893076404

एम.ए. हिन्दी, प्रथम समसत्र
प्रश्न-पत्र-चतुर्थ
प्रयोजन मूलक हिन्दी
(GE-104)

पूर्णांक : 60
आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से है। व्यक्तिपरक होकर भी यह समाज सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विसटूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है। इसके विविध आयामों से न केवल रोजगार की समस्या हल होगी अपितु राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा का संस्कार की दृढ़ होगा।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 : कामकाजी हिन्दी –

1. हिन्दी के विभिन्न रूप सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य– प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन टिप्पणी।

इकाई–02 :

पारिभाषिक शब्दावली–स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली के उदाहरण एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई–03 : हिन्दी : कम्प्यूटर अनुप्रयोग

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा बेब पब्लिशिंग का परिचय।
2. इंटरनेट, संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रथामिक, रख–रखाव व इंटरनेट, समय मितव्ययिता के सूत्र।
3. बेब पब्लिकेशन।
4. इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप।
5. लिंक, ब्राउजिंग पोर्टल, ई.मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउलोडिंग एवं अपलोडिंग का साफ्टवेयर, पैकेज।

इकाई–04 :

1. पत्रकारिता स्वरूप एवं प्रकार।
2. हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
3. समाचार–लेखनकला।
4. संपादन के आधारभूत तत्व।
5. व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

(जारी......)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

इकाई–05 :

1. पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इण्ट्रो एवं शीर्षक संपादन।
2. संपादकीय लेखन
3. पृष्ठसज्जा
4. साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस–प्रबंधन
5. प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार–संहिता।

निबंधात्मक प्रश्न	–	2x10=20
लघु उत्तरी प्रश्न	–	5x6=30
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10x1=10

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी पत्रकारिता भारतेन्दु पूर्व से छायावादोत्तर काल तक, लेखक डॉ. धीरेन्द्र नाथ सिंह, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
2. हिन्दी पत्रकारिता का नया स्वरूप, लेखक बच्चन सिंह पत्रकार, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. कम्प्यूटर एक परिचय, लेखक विनय कुमार ओझा, प्रकाशन परीक्षा मंथन।
4. प्रयोजन मूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
5. जन पत्रकारिता, जनसंचार, सूर्यप्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सम्पूर्ण पत्रकारिता, डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, द्वितीय समसत्र
प्रश्नपत्र-प्रथम
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास
(CC-201)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– विद्यार्थियों को इस बात से परिचित कराना कि प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की लोकमंगल की साधना अवस्था काव्य में किस प्रकार संभव होती है। साथ ही उत्तर मध्यकालीन काव्य अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इसका अध्ययन समाज, संस्कृति एवं युग की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 :

2x10=20

सूरदास :– भ्रमरगीत सार, संपादक रामचन्द्र शुक्ल, पद क्रमांक 21 से 70 ।
तुलसीदास :– रामचरितमानस, अयोध्या काण्ड, दोहा क्रमांक 51 से 100।
बिहारी :– बिहारी रत्नाकर, संपादक जगन्नाथ रत्नाकर, दोहा क्रमांक 01 से 50।

इकाई–02 :

2x5=10

सूरदास, तुलसीदास एवं बिहारी से संबंधित निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–03 :

2x5=10

भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से संबंधित निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–04 :

2x5=10

द्रुतपाठ के कवि, नंददास, मीराबाई, घनानंद और केशव से संबंधित, लघुत्तरीय प्रश्न।

इकाई–05 :

10x1=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, लेखक–द्वारका प्रसाद सक्सेना, प्रकाशक श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा–2।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशक राजकमल प्रकाशन।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, प्रकाशक नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. सूर और उनक साहित्य, हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर अलीगढ़।
5. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नागेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. गोस्वामी तुलसीदास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इण्डियन प्रेस लि. प्रयागराज।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in ☎ 9893076404

एम.ए. हिन्दी, द्वितीय समसत्र
प्रश्नपत्र-द्वितीय
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास
(CC-202)

पूर्णांक : 60
आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– उपन्यास, कहानी तथा निबंध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है। इसका अध्ययन चिन्तन प्रक्रिया के विकास से परिचित होने के लिए आवश्यक है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 **2x10=20**

(i) उपन्यास– बाणभट्ट की आत्मकथा, हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) निबंध–

- देश सेवा का महत्व–बालकृष्ण भट्ट
- कछुआ धर्म–चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
- कविता क्या है–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- अशोक के फूल–हजारी प्रसाद द्विवेदी
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–विद्यानिवास मिश्र
- प्रिया नीलकंठी–कुबेरनाथ राय
- पगडण्डियों का जमाना–हरिशंकर परसाई

(iii) निर्धारित कहानियाँ –

- उसने कहा था–चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात–प्रेमचंद
- आकाशदीप–जयशंकर प्रसाद
- अपना अपना भाग्य–जैनेन्द्र कुमार
- तीसरी कसम–फणीश्वरनाथ रेणु
- लंदन की एक रात–निर्मल वर्मा
- राजा निरबंसिया–कमलेश्वर
- क्षमा करो हे वत्स–देवेन्द्र

(iv) पथ के साथी–महादेवी वर्मा

इकाई–02 : **2x5=10**

बाणभट्ट की आत्मकथा, निर्धारित निबंध, कहानी एवं पथ के साथी से समीक्षात्मक प्रश्न।

(जारी......)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, द्वितीय समसत्र
प्रश्न-पत्र-तृतीय
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
(CC-203)

पूर्णांक : 60
आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– पाश्चात्य चिन्तकों के काव्यालोचन को जानने तथा पूर्ववर्ती एवं आधुनिक वैश्विक काव्य के मर्म को समझने के लिए यह प्रश्न–पत्र आवश्यक है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 :

प्लेटो : काव्य–सिद्धांत
अरस्तू : अनुकरण–सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन, विरेचन–सिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

इकाई–02 :

ड्राइडन के काव्य सिद्धांत
वर्ड्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत
कालरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित–कल्पना

इकाई–03 :

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयाक्तिक प्रज्ञा, निवैर्यक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवदेनशीलता का असाहचर्य।

आई.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ। संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई–04 :

सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई–05 :

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियॉं : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

आलोचनात्मक प्रश्न– **2x10=20** लघु उत्तरी प्रश्न– **5x6=30** वस्तुनिष्ठ प्रश्न– **10x1=10**

(जारी......)

सचिव के हस्ताक्षर

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

इकाई–03 : **2x5=10**

हिन्दी, कहानी, निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं (रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तांत, व्यंग्य आदि) के इतिहास प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बद्ध निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–04 : **2x5=10**

लघुत्तरीय प्रश्न :– द्रुतपाठ में निर्धारित निम्नलिखित गद्यकारों पर केन्द्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

निबंधकार :– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह।

कहानीकार :– अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, अमरकांत।

स्फुट ग्रंथ :– 1) अमृतराय (कलम का सिपाही), 2) शिवप्रसाद सिंह (उत्तर योगी), 3) हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूं क्या याद करूं), 4) राहुल सांस्कृत्यायन (घुमक्कड़ शास्त्र), 5) माखनलाल चतुर्वेदी (साहित्य देवता)

इकाई–05 : **10x1=10**

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी में निबंध साहित्य, लेखक जनार्दनस्वरूप अग्रवाल, प्रकाशक साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयागराज।
2. कहानी : स्वरूप और संवेदना, लेखक राजेन्द्र यादव, प्रकाशक वाणी प्रकाशन।
3. एक दुनिया : समानान्तर, लेखक राजेन्द्र यादव, प्रकाशक राधाकृष्ण प्रकाशन।
4. हिन्दी कहानी की पहचान और परख, संपा. इन्द्रलाल मदान, लिपि प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. कहानी, नयी कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. निबंध नवगीत, लक्ष्मीसागर, वार्ष्णेय, वाराणसी वि.वि. प्रकाशन।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in ☎ 9893076404

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, लेखक डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, प्रकाशक लोकभारती प्रकाशन।
2. काव्यशास्त्र, लेखक डॉ. भगीरथ मिश्र, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, लेखक डॉ. विवेक शंकर, प्रकाशक राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, रामचन्द्र तिवारी।
5. साहित्य शास्त्र, लेखक आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक नंदकिशोर एण्ड सन्स, वाराणसी।
6. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन, लेखक डॉ. सभापति मिश्र, प्रकाशक जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, आ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर बुक्स।
8. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ, सं. उदयभान सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

एम.ए. हिन्दी, द्वितीय समसत्र
प्रश्न-पत्र-चतुर्थ
प्रयोजन मूलक हिन्दी
(GE-204)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– जनसंचार माध्यमों के अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र एवं प्रविधि एवं हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की उपयोगिता सर्वविदित है। विद्यार्थियों को इसका ज्ञान आवश्यक है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 : मीडिया लेखन –

1. जनसंचार–प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ।
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।
3. श्रव्य माध्यम–रोडियो, मैखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रोडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।

इकाई–02 :

1. दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, विडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर) पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, डॉक्यू ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों का रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।
2. इंटरनेट सामग्री सृजन – (Content creation)

इकाई–03 : हिन्दी : कम्प्यूटर अनुप्रयोग

1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।
2. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद।
4. जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।
5. विज्ञापन में अनुवाद।
6. वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

(जारी......)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

इकाई–04 :

1. वाणिज्यिक अनुवाद।
2. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
3. विधि–साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।
4. व्यावहारिका अनुवाद अभ्यास।
5. कार्यालयीन अनुवाद :– कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक, प्रयुन्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि।
6. पत्रों के अनुवाद।
7. पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद।

इकाई–05 :

1. बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
2. विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
3. साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक।
4. सरानुवाद।
5. दुभाषिया प्रविधि।
6. अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

निबंधात्मक प्रश्न	–	**2x10=20**
लघु उत्तरी प्रश्न	–	**5x6=30**
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	**10x1=10**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. आधुनिक मीडिया लेखन एवं हिन्दी रचना, लेखक डॉ. अशोक बत्रा, प्रकाशक लक्ष्मी प्रकाशन।
2. मीडिया संचार माध्यम एवं लेखन कला, लेखक रामप्रसाद मौर्य, प्रकाशक अर्जुन पब्लिशिंग हाउस।
3. प्रयोजन मूलक हिन्दी की नयी भूमिका, लेखक कैलाशनाथ पाण्डेय, प्रकाशक राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमि.।
4. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, लेखक भोलानाथ तिवारी।
5. हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास, हिन्दी पत्रकारिता एवं निबंध लेखन प्रो. राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, प्रकाशक भवदीय प्रकाशन, अयोध्या फैजाबाद।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

(5)

एम.ए. हिन्दी, तृतीय समसत्र
प्रश्न-पत्र-प्रथम
आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास
(CC-301)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध से अध्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार सारणियाँ इसमें अभिव्यक्त हुई हैं। अतः संवेदना तथा ज्ञानक्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 : **व्याख्यांश** – 2x10=20

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा एवं इडा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : निर्धारित संकलन–राग विराग (संपादक रामविलास शर्मा) में संकलित कविताएँ। राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति एवं कुकुरमुत्ता।

इकाई–02 : 2x5=10

मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न (एक)

इकाई–03 : 2x5=10

आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, इतिहास और प्रमुख कवि

इकाई–04 : 2x5=10

लघुउत्तरीय प्रश्न :– (दो)

द्रुतपाठ से निर्धारित कवि जगन्नाथदास रत्नाकर अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' से संबंध दो लघुउत्तरीय प्रश्न।

इकाई–05 : 10x1=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक डॉ. रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशक राजकमल प्रकाशन।
2. आधुनिक हिन्दी काव्य और कवि, लेखक डॉ. रामचन्द्र तिवारी, प्रकाशक नया साहित्य प्रकाशन इलाहाबाद।
3. कामायनी की टीका, लेखक श्री विश्वम्भर 'मानव', प्रकाशक लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. निराला और अपरा, लेखन डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, प्रकाशक विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5. साकेत की टीका, लेखक ओम प्रकाश सिंहल, प्रकाशन हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, तृतीय समसत्र
प्रश्न-पत्र-द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
(CC-302)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मित है। साहित्य के गम्भीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 :

भाषा और भाषा विज्ञान–भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य। भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई–02

स्वप्न प्रक्रिया–स्वप्न विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वांगयंत्र और उनके कार्य स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन–गुण, स्वनिक–परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम में भेद, स्वनिमिक–विश्लेषण।

इकाई–03 :

व्याकरण–रूपविज्ञान का स्वयप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद मुक्त–आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी भेद और प्रकार। वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण, गहन–संरचना और बाह्य संरचना।

इकाई–04

अर्थविज्ञान–अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ प्राप्ति के साधन, अर्थ परिवर्तन।

इकाई–05

साहित्य और भाषाविज्ञान–साहित्य में अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की अपयोगिता।

आलोचनात्मक प्रश्न	–	2x10=20
लघु उत्तरी प्रश्न	–	5x6=30
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10x1=10

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भाषा–विज्ञान, लेखक डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रकाशक किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
2. आधुनिक भाषा विज्ञान, लेखक डॉ. विवेक शंकर, प्रकाशक राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका, लेखक आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, प्रकाशक राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भाषा विज्ञान सिद्धांत और स्वरूप, डॉ. जितराम पाठक, अनुपम प्रकाशन पटना।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, तृतीय समसत्र
प्रश्न-पत्र तृतीय
हिन्दी साहित्य के इतिहास
(CC-303)

पूर्णांक : 60
आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :— साहित्य के इतिहास का परिचय, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा और पुनर्लेखन के ज्ञान हेतु यह प्रश्न—पत्र अनिवार्य है।

पाठ्य विषय :—

ईकाई—01 :

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

इकाई—02

हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यक प्रवृत्तियाँ, काव्याधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और इनकी रचनाएँ।

इकाई—03 :

पूर्वमध्यकाल भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण संत कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।

इकाई—04

राम काव्य और कृष्णकाव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।

इकाई—05

उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराएँ रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त, प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ।

दीर्घ उत्तरीय	—	2x10=20
लघु उत्तरी प्रश्न	—	5x6=30
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	—	10x1=10

संदर्भ ग्रंथ :—

1. इतिहास और आलोचना—नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि, डॉ. मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. साहित्य इतिहास और संस्कृति, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

एम.ए. हिन्दी, तृतीय समसत्र
प्रश्नपत्र-चतुर्थ
गोस्वामी तुलसीदास
(GE-304)

पूर्णांक : 60
आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– तुलसीदास का रामचरितमानस भारतीय जनमानस की कथा कहती है मर्यादा पुरुषोत्तम राम के चरित्र परिचय कराने के लिए यह प्रश्न–पत्र है।

पाठ्य विषय :–

व्याख्या हेतु निर्धारित – रामचरित मानस (बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड और उत्तरकाण्ड)

आलोचनात्मक प्रश्न – तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमि, जीवन, कृतित्व एवं रामचरित मानस से संबंधित होंगे।

व्याख्याएँ	–	2x10=20
आलोचनात्मक प्रश्न	–	2x5=10
लघु उत्तरी प्रश्न	–	4x5=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10x1=10

संदर्भ ग्रंथ :–

1. रामचरितमानस, प्रकाशक गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. गोस्वामी तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल, इण्डियन प्रेस प्रयागराज।
3. तुलसीदास, उदयभान सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।
4. लोकवादी तुलसीदास, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाश नई दिल्ली।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, तृतीय समसत्र
प्रश्नपत्र-चतुर्थ
सूरदास
(GE-304)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– भारत एक कृषि प्रधान देश है। सूरदास कृषक संस्कृति एवं पशुपालन संस्कृति के कवियों में वरेण्य हैं। वे प्रेम और वात्सल्य के अद्भुत चितेरे हैं। विद्यार्थियों को इस संवेदनों से परिचित कराने के लिए यह वैकल्पिक प्रश्न–पत्र निर्धारित है।

ग्रंथ 'सूरसागर सार' संपादक – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

निर्धारित पद (प्रारम्भ से मथुरागमन के पूर्व तक) आलोचनात्मक प्रश्न सूर साहित्य की पृष्ठभूमि, जीवन, रचनाएँ तथा निर्धारित अंश से सम्बद्ध पूछे जाएँगे।

व्याख्याएँ	–	2x10=20
आलोचनात्मक प्रश्न	–	2x5=10
लघु उत्तरी प्रश्न	–	4x5=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10x1=10

संदर्भ ग्रंथ :–

1. सूरदास, लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशक नागरी प्राचारिणी सभा, वाराणसी।
2. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
3. सूरदास : मूल्यांकन पुनर्मूल्याकन, लेखक परमानन्द श्रीवास्तव, प्रकाशक अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. सूर साहित्य, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी

समसत्र तृतीय

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (बघेली भाषा और उसका इतिहास)

प्रश्न-पत्र चतुर्थ (GE-304)

पूर्णांक : 60
आन्तरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– आज वैश्वीकरण का जमाना है। 'वसुधा' कुटुम्ब हो रही है परन्तु बिना जमीन पर खड़े हुए आकाश को नहीं निहारा जा सकता। बिना 'लोकल' के हम 'ग्लोबल' की कल्पना नहीं कर सकते। विद्यार्थियों को उनकी जमीन, बोली–बानी भाषा के मर्म से परिचित कराने के लिए जनपदीय भाषा और साहित्य के अध्ययन हेतु 'बघेली भाषा एवं साहित्य के अन्तर्गत मानवता की मातृभाषा कविता का यह प्रश्न–पत्र रखा गया है।

इकाई-01 :-

बघेली तथा हिन्दी की अन्य बोलियाँ, बघेली का उद्भव और विकास, बघेली का व्याकरण।

इकाई-02 :- बघेली कविता

बैजनाथ पाण्डेय 'बैजू', सैफूद्दीन सिद्दिकी 'सैफू', शम्भूनाथ द्विवेदी 'शम्भू काकू', गोमती प्रसाद 'विकल', अमोल वटरोही, अनूप अशेष।

पाठ्यपुस्तक–बघेली भाषा एवं साहित्य–संपादक डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।

इकाई-03 :-

उपर्युक्त कवियों से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई-04 :-

बघेली लोक साहित्य के विशेषताएँ।

इकाई-05 :-

द्रुतपाठ के कवि (कालिका प्रसाद त्रिपाठी, डॉ. रामसिया शर्मा, शिवशंकर मिश्र 'सरस', डॉ. कैलाश तिवारी, बाबूलाल दाहिया, सुधाकांत मिश्रा 'बेलाला', रामनरेश तिवारी 'निष्ठुर', सुदामा शरद, सुधाकांत मिश्रा 'बेलाला',)।

पाठ्यपुस्तक–बघेली भाषा और साहित्य संपादक डॉ. सत्येन्द्र शर्मा, प्रकाशकः मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।

(जारी......)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

व्याख्यात्मक प्रश्न	–	**2x10=20**
दीर्घ उत्तरी प्रश्न	–	**2x10=20**
लघु उत्तरी प्रश्न	–	**2x5=10**
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	–	**10x1=10**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. नेउतहरी–सैफूद्दीप सिद्दिकी 'सैफू'।
2. चिरई चुनगुन–डॉ. भागवत प्रसाद शर्मा, कुमार प्रकाशन रीवा।
3. सेंदूर केर बोझ–श्रीमती रश्मि शुक्ला, गणेश प्रकाशन मंदिर प्रयागराज।
4. थोर का सुख–डॉ. चंद्रिका प्रसाद 'चंद्र', रूपांकन प्रकाशन इन्दौर।
5. फूलमती–योगेश त्रिपाठी, उत्कर्ष प्रकाशन 142 शाक्यपुरी, कंकर खेड़ा मेरठ उत्तरप्रदेश।
6. लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन–(बुन्देलखण्ड एवं बघेलखण्ड के संदर्भ में), डॉ. विनोद त्रिपाठी, साहित्य वाणी प्रयागराज।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, चतुर्थ समसत्र
प्रश्नपत्र-प्रथम
आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास
(CC-401)

पूर्णांक : 60
आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– आधुनिक हिन्दी काव्य और उसके इतिहास से विद्यार्थियों को परिचित कराना। स्वतंत्रता आंदोलन और तत्पश्चात् स्वतंत्र्योत्तर भारत की गति दशा और दिशा के काव्य से परिचित कराना।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 : व्याख्यांश –

2x10=20

1. सुमित्रानंदन पंत–निर्धारित संकलन, रश्मिबंध में संकलित परिवर्तन, नौकाविहार, एक तारा, मौन निमंत्रण आ धरती कितना देती है।
2. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कलगी बाजरें की, परती का गीत।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध, ब्रह्म राक्षस कम, मुझे कदम–कदम पर, लकड़ी का बना रावण।

इकाई–02 :

2x5=10

पंत, अज्ञेय और मुक्तिबोध से संबंध समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–03 :

2x5=10

छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, इतिहास और प्रमुख कवियों पर निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–04 :

2x5=10

लघुउत्तरीय प्रश्न :– (दो)

दुतपाठ से निर्धारित कवि हरिवंशराय बच्चन, भवानी प्रसाद मिश्र, श्री नरेश महेता, रघुवीर से संबंध दो लघुउत्तरीय प्रश्न।

इकाई–05 :

10x1=10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक डॉ. रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशक राजकमल प्रकाशन।
2. आधुनिक हिन्दी काव्य और कवि, लेखक डॉ. रामचन्द्र तिवारी, प्रकाशक नया साहित्य प्रकाशन इलाहाबाद।
3. छायावाद, डॉ. नामवर सिंह, प्रकाशक राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. आधुनिक कवि, विश्वम्भर 'मानव', रामकिशोर शर्मा, प्रकाशक लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. सुमित्रानंदन पंत, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, चतुर्थ समसत्र
प्रश्न-पत्र तृतीय
हिन्दी साहित्य का इतिहास
(CC-403)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– हिन्दी एम.ए. के विद्यार्थियों के लिए काव्य एवं कथा और उपन्यास सर्जना के इतिहास से परिचित होने के अनिवार्य है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 :

आधुनिक काल :– आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण।

भारतेन्दु युग :– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–02 :

द्विवेदी युग :– प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–03 :

उत्तर छायावाद की विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–04 :

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ : कहानी, उपन्यास, नाटक निबंध आदि।

इकाई–05 :

संस्मरण रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास। स्त्री विमर्श और दलित विमर्श का परिचय।

दीर्घ उत्तरी प्रश्न	–	2x10=20
लघु उत्तरी प्रश्न	–	5x6=30
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10x1=10

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. राम कुमार वर्मा
3. छायावाद, डॉ. नामवर सिंह
4. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी, नंददुलारे वाजपेयी

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in ☎ 9893076404

एम.ए. हिन्दी, चतुर्थ समसत्र
प्रश्न-पत्र-द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
(CC-402)

पूर्णांक : 60
आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक ईकाईयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अन्तर्संबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अर्द्धदृष्टि देता है। अपितु भाषा विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है।

पाठ्य विषय :–

ईकाई–01 :

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ–पालि, प्राकृत–शैरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई–02 :

हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई–03 :

हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्य, खंड्येतर। हिन्दी शब्द रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम विशेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य–रचना : पदक्रम और अन्विति।

इकाई–04 :

हिन्दी के विविध रूप : संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम–भाषा, संचार–भाषा, हिन्दी की साविधानिक स्थिति।

इकाई–05 :

हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ : आँकड़ा–संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी–शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा–शिक्षण।
देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण –

आलोचनात्मक प्रश्न	–	**2x10=20**
लघु उत्तरी प्रश्न	–	**5x6=30**
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	**10x1=10**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भाषा–विज्ञान, लेखक डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रकाशक किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
2. आधुनिक भाषा विज्ञान, लेखक डॉ. विवेक शंकर, प्रकाशक राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका, लेखक आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, प्रकाशक राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भाषा विज्ञान सैद्धांतिक चिन्तन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, चतुर्थ समसत्र
प्रश्न-पत्र चतुर्थ
गोस्वामी तुलसीदास
(GE-404)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– 'कवितावली' सिर्फ राम की कथा नहीं तत्कालीन समाज की धड़कन है। विनय पत्रिका भक्ति, आस्था अज्ञेर समर्पण का काव्य है। विद्यार्थियों के लिए यह परिचय यह आवश्यक है।

पाठ्य विषय :–

व्याख्या हेतु निर्धारित – कवितावली एवं विनय पत्रिका।

आलोचनात्मक प्रश्न – तुलसी की भक्ति, दर्शन तथा निर्धारित कृतियों से संबंधित होंगे।

व्याख्याएँ	–	2x10=20
आलोचनात्मक प्रश्न	–	2x5=10
लघु उत्तरी प्रश्न	–	4x5=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10x1=10

संदर्भ ग्रंथ :–

1. रामचरितमानस, प्रकाशन गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. तुलसीदास और उनकी कविता, रामनरेश त्रिपाठी, हिन्दी मंदिर प्रयागराज।
3. तुलसीदास, डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।
4. तुलसी के हिय हेरि, विष्णुकांत शास्त्री।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act
E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी, चतुर्थ समसत्र
प्रश्न-पत्र चतुर्थ
सूरदास
(GE-404)

पूर्णांक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– सूरदास हिन्दी साहित्य के सूर्य है। हिन्दी के विद्यार्थियों के ज्ञान और संवेदना के विकास के लिए यह प्रश्न–पत्र आवश्यक है।

ग्रंथ 'सूरसागर सार' संपादक – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

निर्धारित पद (मथुरागमन से अंत तक) आलोचनात्मक प्रश्न सूर साहित्य की भक्ति, दर्शन, भ्रमरगीत आदि तथा सूरसागर के निर्धारित अंश से सम्बद्ध पूछे जाएँगे।

व्याख्याएँ	–	2x10=20
आलोचनात्मक प्रश्न	–	2x5=10
लघु उत्तरी प्रश्न	–	4x5=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10x1=10

संदर्भ ग्रंथ :–

1. सूरदास, लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन नागरी प्राचारिणी सभा, वाराणसी।
2. भ्रमरगीत सार की टीका, लेखक डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी।
3. सूरदास, ब्रजेश्वर वर्मा, हिन्दी परिषद विश्वविद्यालय प्रयागराज।
4. सूरदास : मूल्यांकन पुनर्मूल्याकन, लेखक परमानन्द श्रीवास्तव, प्रकाशन अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act
E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

एम.ए. हिन्दी

समसत्र चतुर्थ

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (बघेली भाषा और उसका इतिहास)

प्रश्न–पत्र चतुर्थ (GE-404)

पूर्णांक : 60
आन्तरिक मूल्यांकन : 40

उद्देश्य :– गद्य को कवियों की कसौटी कहा गया है। स्थानीय भाषा एवं साहित्य के अन्तर्गत विद्यार्थियों को जनपदीय भाषा के गद्य से परिचित कराने के लिए बघेली नाटक और कहानी का यह प्रश्न–पत्र लिखा गया है।

इकाई–01 :- बघेली कहानी

1. सैफूद्दीन सिद्दिकी 'सैफू' – नेउतहरी
2. डॉ. भागवत प्रसाद शर्मा – चिरई चुनगुन
3. श्रीमती रश्मि शुक्ला – सेंदुर केर बोझ
4. डॉ. चंद्रिका प्रसाद 'चंद्र' – थोर का सुख
5. डॉ. रामसिया शर्मा – उपरेहित

इकाई–02 :- बघेली नाटक

योगेश त्रिपाठी – 'फूलमती'

इकाई–03 :-

उपर्युक्त लेखकों से संबंधित अलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–04 :-

बघेली लोकगीत, लोक कथाएँ, लोकनाट्य से संबंधित लघु उत्तरीय प्रश्न।

इकाई–05 :-

द्रुतपाठ के लेखक (डॉ. चंद्रिका प्रसाद 'चंद्र', डॉ. रामसिया शर्मा, श्रीमती रश्मि शुक्ला, डॉ. भागवत प्रसाद शर्मा, सैफूद्दीन सिद्दिकी 'सैफू') संबंधित लघुउत्तरी प्रश्न।

व्याख्यात्मक प्रश्न	–	**2x10=20**
आलोचनात्मक प्रश्न	–	**2x10=20**
लघु उत्तरी प्रश्न	–	**2x5=10**
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	–	**10x1=10**

(जारी......)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
(M.P.)

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in

E-mail: heqtdcano@mp.gov.in 9893076404

संदर्भ ग्रंथ :–

1. बघेली भाषा और साहित्य–डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल, प्रकाशक साहित्य भवन प्रयागराज।
2. बघेली साहित्य का इतिहास–डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी, साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश।
3. बघेली संस्कृति और साहित्य–गोमती प्रसाद 'विकल', प्रकाशक राजभाषा एवं संस्कृत संचालनालय, मध्यप्रदेश।
4. बघेली भाषा एवं साहित्य–डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
5. सोन एवं रेवा के स्वर–संपा. डॉ. कमला प्रसाद, सेवाराम त्रिपाठी, बाबूलाल दाहिया, शिवशंकर मिश्र 'सरस', राजभाषा संचालनालय, भोपाल।
6. बघेलखण्ड के लोकगीत–लखन प्रताप सिंह उरगेस, मध्यप्रदेश आदिवासी लोक कला परिषद भोपाल।
7. हम तोंहार विरवा–कैलाश तिवारी, कुमार प्रकाशन रीवा।
8. बघेली व्याकरण–डॉ. सूर्यभान सिंह, प्रकाशन हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल।
9. रनजीत राय–गोमती प्रसाद 'विकल', वर्क प्रिन्टिंग प्रेस, रीवा।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)